जाग उठा हमारा आजाद हिन्दुस्तान

14 फरवरी 2023

मीशन 2023 में जुटी भाजपा

बड़वाह विधानसभा सीट पर जीत का परचम लहराने के लिये भाजपा ने पांच मोर्चो पर तैनात किये अपने योद्धा

भाजपा की पाचं मोर्चो पर की गई मोर्चाबंदी की क्या तोड़ खोज पायेगी कांग्रेस ?

बड़वाह -नवरत्नमल जैन

बड़वाह - इस वर्ष के अंत में होने जारहे मध्यप्रदेश विधानसभा चुनावों को लेकर प्रदेश में वापस सरकार बनाने का लक्ष्य तय कर भाजपा ने सभी विधानसभा क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर अपनी तैयारियां प्रारंभ कर दी है । पिछले 20 वर्षो से भाजपा का गढ़ बन चुकी बड़वाह विधानसभा सीट पर पिछले चुनाव में सचिन बिरला ने कांग्रेस के टिकिट पर चुनाव लड़कर भाजपा से तीन बार के विधायक रहे श्री हितेन्द्रसिंह सोलंकी को रिकार्ड मतों से पराजित कर भाजपा के विजयी रथ को रोक दिया था । कांग्रेस की सरकार भी बनी लेकिन 15 महिने बाद श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की बगावत के चलते कमलनाथ की कांग्रेस सरकार भी चली गई और इसी के साथ कुछ लोकसभा सीट पर हुये उपचुनाव के बीच ही सचिन बिरला कांग्रेस छोडकर भाजपा में शामिल हो गये । सचिन बिरला द्वारा कांग्रेस को दिये गये इस जोरदार झटके ने कांग्रेस के पूरे संगठन को एक तरह से बिखराव की स्थिति में ला दिया । युवक कांग्रेस के साथ ही कांग्रेस के अनेक जमीनी नेता अब तक कांग्रेस छोडकर भाजपा में जा चुके है ।

भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सचिन बिरला को भाजपा में शामिल करते हुये उन्हे आगामी चेहरा बताकर 2023 के चुनाव में सचिन बिरला की उम्मीदवारी पर लगभग मोहर लगादी है वहीं कांग्रेस ने उन्हे मोकापरस्त एवं गद्दार बताते हुये आम चुनाव में सबक सिखाने की चुनौती दी थी ।

अब जब चुनाव में मात्र 9 माह बाकी रह गये है ऐसे में भाजपा द्वारा इस विधानसभा सीट पर जीत का परचम लहराने की तैयारियां अभी से प्रारंभ कर दी है । भाजपा जानती है कि महंगाई, बेराजगारी , किसानो की नाराजगी एवं लोगों की बिगडती आर्थिक हालात से उत्पन्न सरकार विरोधी लहर उसका काम बिगाड सकती है और कांग्रेस इसे मुद्दा बनाने से नही चूकेगी इसीलिये भाजपा ने 9 माह पहले ही जनता के बीच जाकर उनकी नाराजगी को दूर कर समस्याओं के निराकरण के लिये पांच मोर्चो पर अपनी तैयारियां प्रारंभ करदी है ।

श्री सचिन बिरला द्वारा विकास यात्राओं के माध्यम से सत्ता विरोधी लहर को कमजोर तथा पार्टी के पक्ष में माहोल बनाने का प्रयास-

विधायक श्री सचिन बिरला भी जानते है कि भाजपा में मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने उन्हे विधायक पद की उम्मीदवारी देने का खुल मंच से वादा किया है और वे भी अपना टिकिट तय मानकर पूरी ताकत से चुनावी तैयारियों में जुट चुके है । उन्हे यह भी पता है कि भाजपा और कांग्रेस के टिकिट फार्मुले में जमीन आसमान का अंतर है । कांग्रेस के ज्यादातर टिकिट कांग्रेस के बडे नेताओं के कोटे से मिलते रहे है वहीं भाजपा में संगठन और जमीनी पकड के आधार पर टिकिट तय होते आये है । यही कारण है कि भाजपा में सचिन बिरला के सामने टिकिट की प्रतिष्पर्धा में लगे अनेक दिग्गज नेता यह कहते भी नजर आरहे है कि भाजपा में ऐसे टिकिट नही मिलते । जिसे संगठन का समर्थन मिलेगा उसे ही टिकिट मिलेगा

इसी लिये सचिन बिरला एक ओर अपनी टीम मजबूत कर जनता के बीच पूरी ताकत से हर विरोध का सामना करने के बाद उन्हे अपने पक्ष में लाने के लिये कोशिश में जुटे है वहीं भाजपा संगठन के के पदाधिकारियों के बीच तालमेल बनाकर उन्हे अपने पाले में लाने की तैयारियां भी कर रहे है ।

अब आने वाले चुनाव में भाजपा ने कांग्रेस की सभी संभावित कदमों की काट के लिये पांच स्तरों पर चुनावी तैयारियां कर रही है । जिससे उनकी जीत में कोई कसर नही रहे । भाजपा ने इसीलिये कांग्रेस की हाथ से हाथ जोडों यात्रा के पहले ही अपनी विकास यात्राऐं प्रारंभ कर लोगों की नाराजगी दूर करने तथा उन्हे अपने पक्ष में लाने का काम प्रारंभ कर दिया है ।

सचिन बिरला की तेज तर्रार कार्यशेली से कांग्रेस एवं भाजपा दोनो ही परिचित है ।इसीलिये उन्होने पूरे विधानसभा क्षेत्र में विकास यात्रा को महाप्रचार का ऐसा रूप दिया है जिससे चुनाव के पहले ही विकास यात्रा के माध्यम से घर घर जाकर एवं मतदाताओं से सीधा सम्पर्क कर उनकी शिकायतों और नाराजगी को साथ चल रहे अधिकारियों की टीम से तत्काल निराकरण कर दूर कर सके ।

उनकी यही योजना है कि मतदाताओं की नाराजगी एवं शिकायतों का सामना चुनाव के 8 माह पहले ही कर लिया जाये जिससे सत्ता विरोधी लहर का मुकाबला नही करना पडे । विकास यात्रा के माध्यम से उन्हे शिलान्यास, लोकार्पण एवं शिकायत निवारण की त्रिस्तरीय कार्यशैली से लोगो की नाराजगी काफी हद तक दूर करने में सफलता भी मिलती दिखाइ देरही है ।

जितेन्द्र सुराणा के मार्गदर्शन में सांसद खेल महोत्सव की शानदार सफलता से युवाओं को पार्टी से जोड़ने की तैयारी

भाजपा ने युवाओं को नये सिरे से पार्टी के साथ जोडने के लिये नई रणनीति पर काम किया है । इसीलिये भाजपा ने युवाओं को भाजपा से जोडने के लिये बडवाह विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के चाणक्य माने जाने वाले जितेन्द्रसुराणा को विशेष जिम्मेदारी सौपी है । इसी रणनीति पर उन्होने कारगर तरीके से काम करना प्रारंभ भी कर दिया है ।

इसी उद्देश्य को साकार करने में श्री जितेन्द्र सुराणा एवं उनकी टीम ने सासंद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल खेल महोत्सव के आयोजन की सुनियोजित तैयारियां की और यह आयोजन श्री सुराणा के नेतृत्व में न केवल यादगार बन गया बलिक भाजपा के लिये आने वाले चुनाव में मील का पत्थर भी साबित होसकता है । 26 जनवरी से 9 फरवरी तक चले इस विराट खेल महोत्सव में श्री जितेन्द्र सुराणा एवं उनकी टीम ने जिस तरह लगभग 2000 से अधिक खिलाडियों , क्षेत्र के अनेक सामाजिक, राजनैतिक एवं समाज सेवी संगठनों के 700 लोगों को अतिथि बनाकर इस महाआयोजन का साक्षी बनाया उससे अनेक नये युवा भाजपा से जुडेगें । श्री जितेन्द्र सुराणा कहते है कि बहुत ही कम लागत में भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं के सहयोग से यह खेल महोत्सव सफलता की परवान चढा वो बड़वाह क्षेत्र के लोगों के विश्वास एवं प्यार का ही परिणाम है ।

नपा अध्यक्ष श्री राकेश गुप्ता द्वारा नागरिकों की समस्याओं का तत्काल निवारण से भाजपा का मिलेगी मजबूती

इस बार के नपा चुनाव में काफी लम्बे समय बाद बड़वाह में भाजपा का अध्यक्ष एवं परिषद चुनी गई । श्री राकेश गुप्ता से जुझारू एवं मिलनसार नेता ने न केवल अध्यक्ष बनने में सफलता हांसिल की बल्कि कांग्रेस एवं भाजपा के सभी पार्षदों को एक सूत्र में पिरोकर नगर के विकास को एक नई गति देने का काम किया है ।

अब आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुये बड़वाह शहर के नागरिकों को भाजपा के पक्ष में लाने की बडी जवाबदारी श्री राकेश गुप्ता को दी गई है जिसे वे बखूबी निभा रहे है । नगरपालिका अध्यक्ष श्री राकेश गुप्ता की सबसे बडी खासियत यह है कि वे खुद नगरपालिका में फुल टाइम बेठकर वहां आने वाले नागरिकों की समस्याओं को न केवल सुनते है बल्कि तत्काल निवारण का प्रयास भी करते है ।

श्री गुप्ता ने नगरपालिका अध्यक्ष बनने के बाद बरसों से पेंडिंग पडे सेकडों नामांतरणों के 99 प्रतिशत मामलों का बिना किसी स्वार्थ के निपटारा कर हितग्राहियों को नगरपालिका कार्यालय में अपने हाथों से नामांतरण प्रमाण पत्र सौपे बल्कि नये नामांतरणों के आवेदनों का निर्धारित समय में निराकरण करन का काम कर रहे है । इससे नगरपालिका अध्यक्ष श्री राकेश गुप्ता एवं भाजपा दोनों की छवि निखर रही है । इसके साथ ही उनके साहसिक निर्णयों एवं बेखोफ कार्यप्रणाली से ज्यादातर लोग खुश नजर आरहे है । वे चाहते है कि नगरपालिका आत्मनिर्भर बने एवं लोगों के काम बेवजह से नही रूके । इसी कार्यपद्धति से बड़वाह के आम नागरिक उनसे खुश नजर आरहे है ।

महिम ठाकुर, लाला बना एवं लक्ष्मण काग ने भाजपा संगठन से लोगों को जोड़ने के लिए खोला मोर्चा -

भाजपा की सबसे बडी ताकत है उसका मजबूत एवं समर्पित संगठन । जिस तरह बड़वाह मे जिला महामंत्री महिम ठाकुर , मंडल अध्यक्ष श्री लाला बना एवं ग्रामीण मंडल अध्यक्ष श्री लक्ष्मण काग एवं उनकी टीम एक जुटता के साथ भाजपा के प्रदेश स्तरीय निर्देशों को जमीनी धरातल पर उतारने का सफल प्रयास करते है उससे भाजपा के प्रति लोगों का जुडाव लगातार बढ़ रहा है । चाहे वो विकास यात्राये हो या खेल महोत्सव का आयोजन , नगरपालिका चुनाव हो या जनपद पंचायत चुनाव भाजपा संगठन जिस तरह मजबूती से सक्रीय रहता है वो भाजपा को दिनोदिन मजबूत बना रहा है ।

आरएसएस का साथ सबसे बडा विश्वास -

हालाकि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की सीधी दखल चुनावी राजनीति में नही होती लेकिन यह बात किसी से छिपी हुई भी नही है कि भाजपा के उम्मीदवारों के पक्ष में माहोल बनाने एवं सुनियोजित रणनीति से जीत की मंजिल तक पहूंचाने में आरएसएस का बहुत बडा योगदान रहता है । ऐसे में इस मातृसंगठन का साथ, विश्वास एवं भाजपा को मजबूत करने का प्रयास भाजपा की सबसे बडी शक्ति है ।

आपसी एकजुटता और जनता की पंसद का उम्मीदवार ही विधानसभा चुनाव में भाजपा के सामने पार लगा सकता है कांग्रेस की नैया

बड़वाह -नवरत्नमल जैन

अब हम बात करते है 2023 के विधानसभा चुनावों में बड़वाह विधानसभा सीट पर कांग्रेस की तैयारियों की । भाजपा राज में चरम पर बढती महंगाई, युवाओं में बेरोजगारी, बेहाल किसानों की भारी नाराजगी एवं विकास के धरातल पर अनेक चुनौतियों के बावजूद गुटबाजी में उलझी कांग्रेस एवं बिखरा संगठन क्या कांग्रेस से बागी होकर भाजपा में शामिल होने वाले विधायक सचिन बिरला एवं भाजपा से चुनावी जंग जीतने के लिये तैयार है ?

कांग्रेस की वर्तमान हालात को देखे तो इस महामुकाबले की तैयारियों में कांग्रेस भाजपा की अपेक्षा पिछड़ती नजर आरही है । उसके पीछे कारण है कांग्रेस में एकजुटता का अभाव । पूर्व में कांग्रेस का नेतृत्व श्री ताराचंद जी पटेल एवं श्री कुलदीप सिंह जी भाटिया जैसे जमीनी एवं मजबूत नेताओं के हाथों में था लेकिन कांग्रेस की सत्ता आने एवं सचिन बिरला के चुनाव जीतने के बाद दोनों वरिष्ठ नेताओं की उपेक्षा की जाने लगी और आज वे केवल मार्गदर्शक की भूमिका में नजर आते है । वर्तमान में कांग्रेस की कमान सनावद में प्रमुख रूप से विधायक पद के सशक्त दावेदार माने जाने वाले नरेन्द्र पटेल के हाथ में है लेकिन वहां पर भी अन्दर ही अन्दर कही न कही वर्चस्व लडाई थमती नजर नही आरही है । लाली शर्मा को कांग्रेस से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है और कही न कही युवा नेताओं के बीच तालमेल का अभाव नजर आरहा है । नये युवा नेताओं के हाथों में कमान होना अच्छी बात है लेकिन पूराने वरिष्ठों को पूरा सम्मान एवं मार्गदर्शन दिये बिना कांग्रेस की नैया पार होना बहुत मुश्किल होगा ।

सामान्य वर्ग का साथ लिये बिना कांग्रेस के लिये जीत होगी मुश्किल-

पिछले कही दशकों से कांग्रेस को विधानसभा चुनाव में गुर्जर समाज का अधिकांश समर्थन मिलता आया है । यही कारण है कि कांग्रेस भी टिकिट को लेकर सामान्य सीट होते हुये भी गुर्जर समाज को प्राथमिकता देती आ रही है । लेकिन इस बार की परिस्थितियां बदली हुई है । कांग्रेस के सामने भाजपा ने हमेशा सामान्य वर्ग खासकर राजपूत समाज को टिकिट दिया और इसी लिये सामान्य वर्ग के बलबूते पर पिछले चार चुनावों में से तीन चुनावों में भाजपा ने जीत अर्जित की ।

लेकिन इस बार भाजपा की ओर से भी सचिन बिरला की उम्मीदवारी तय माने जाने से समीकरण बदले हुये नजर आयेगें । क्यो कि यदि दोनों दलों ने गुर्जर समाज से ही उम्मीदवार बनाया जिसकी संभावना अभी तक ज्यादा नजर आरही है तो गुर्जर समाज के वोटों की शक्ति का विभाजन होना तय है ऐसे में कांग्रेस हो या भाजपा दोनो ही दलों के उम्मीदवारों में से जिसे सामान्य वर्ग के वोट ज्यादा मिलेगें वो चुनाव जीत जायेगा । इसलिये कांग्रेस के सामने चुनौती बडी है एक ओर गुर्जर समाज के वोटों का विभाजन होना तय है वहीं कांग्रेस की ओर से उपेक्षित हो चुके प्रभावशाली कांग्रेस परिवारों को साथ लेने एवं सामान्य वर्ग को जाडने के लिये ताकत लगानी होगी । जिसमे कमी नजर आरही है

बड़वाह कांग्रेस में गुटबाजी चरम पर ...

जहां तक बड़वाह कांगेस की बात है तो यहां पर पूर्व में वरिष्ठ नेता श्री कुलदीप सिंह भाटिया, श्री बाबूलाल जी जैन, स्व. श्री रमेश पाटीदार, श्री अशोक जैन ,श्री शरद खंडेलवाल ,राणा परिवार ,गोयल,गुप्ता,चोधरी एवं सोनी परिवार जैसे वरिष्ठ नेताओं की मेहनत ने कांग्रेस को मजबूत रखा । लेकिन विगत विधानसभा चुनाव में श्री सचिन बिरला की जीत के बाद से ही इन वरिष्ठ नेताओं एवं परिवारों की उपेक्षा होना प्रारंभ हुआ और आज भी वे सक्रीय राजनीति से दूर ही नजर आते है ।

श्री कुलदीप सिंह जी की छत्र छाया में ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष बने श्री डोंगर सिंह खंडाला एवं नगर अध्यक्ष बने श्री नीलेश रोकडिया ने सचिन बिरला के भाजपा में जाने के बाद पुराने नेताओं एवं परिवारों को जोड़कर वापस कांग्रेस को मजबूत करने की कोशिश की। इस जोडी के साथ पूरी युवक कांग्रेस मुस्तेदी से खडी थी जिससे कांग्रेस मजबूत होती नजर आरही थी । कांग्रेस के युवा तुर्क एवं जमीनी नेता रमिन्दर सिंह भाटिया, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्री अनिल राय एवं उनके साथी भी मतान्तर के वावजूद कांग्रेस को मजबूत करने में लगे रहे लेकिन इसी बीच अरूण यादव के प्रभाव को डेमेज बाहरी नेताओं द्वारा कांग्रेस को गुटबाजी का शिकार बनाया जाने लगा ।

बाहरी वरिष्ठ नेताओं की कृपा से बड़वाह कांग्रेस की जो आज गुटबाजी को लेकर दुर्गति है उससे भाजपा अन्दर बहुत खुश है । इसी बीच में पुराने कांग्रेस के प्रभावशाली दस्साणी परिवार ने एक बार फिर कांग्रेस की कमान सम्हाली । उनके समर्थक श्री विमल जैन को शहर कांग्रेस अध्यक्ष बनाया गया । दस्साणी परिवार ने कुछ बडे कार्यक्रम कर अपनी संगठन क्षमता का मजबूत परिचय भी दिया , पद यात्राये निकालकर उन्होने एक नइ हलचल भी शुरू की , उर्जावान एवं जूझारू नेता श्री प्रसून दस्साणी को जिला अध्यक्ष बनाने के सपने वरिष्ठ नेताओं ने दिखाये लेकिन पट्ठावाद मे उलझी कांग्रेस में यह भी संभव नही हो पाया और जिला अध्यक्ष का पद खरगोन चला गया उसके बाद से दस्साणी परिवार भी अभी शांत नजर आरहा है । इसी बीच यादव एवं साधौ गुट के बीच राजनैतिक शीत युद्ध चलता रहा । परिणाम यह है कि भाजपा की विकास यात्राये चल रही है लेकिन बड़वाह में शहर एवं ब्लाक कांग्रेस अभी भी पूरी तरह शांत है लगता है कि हाथ से हाथ जोडों अभियान के पहले शायद कांग्रेस को अपने नेताओं के बीच तालमेल का हाथ जुडवाना जरूरी है ।

कांग्रेस को चुनाव जीतने के लिये जनता की पंसद का उम्मीदवार देना होगा तभी होगी जीत मुमकीन

ऐसा कतई नही है कि बड़वाह में कांग्रेस का प्रभाव नही है । आज भी यदि सभी वरिष्ठ नेताओं का सही मार्गदर्शन लिया जाये और गुट बाजी को एकतरफ रखकर कांग्रेस मेदान में उतरे तो आज भी कांग्रेस भाजपा को तगडी चुनौती देने में पूरी तरह सक्षम है । बड़वाह में एक ओर वरिष्ठ नेताओं की मजबूत टीम आज भी मोजूद है तो दूसरी ओर कांग्रेस नेता श्री नीलेश रोकडिया, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष श्री डोंगर सिंह खंडाला, किसानों के हमदर्द नेता श्री अशोक जैन, सडक पर कांग्रेस की लडाई को आगे बढाने मे संक्षम बेबाक रमिन्दर सिंह भाटिया, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अनिलराय, एक बार फिर मेदान में उतरे श्री प्रसून दस्साणी एवं ईश्वरचंद दस्साणी, बड़वाह कांग्रेस में अप्रत्याशित तेजी से उभरते जमीनी स्तर पर मजबूती से सक्रीय नेता तिलोक राठोड, समाज सेवी लच्छु सोनी , प्रभावशीली सोहन शाह, युवा सोहनशाह , विष्णु वर्मा जैसे नेताओं की टीम है । यदि ये सभी नेता बाहरी नेताओं के हस्पक्षेप को नकारते हुये केवल बडवाह कांग्रेस को मजबूत करने में लग जाये तो कांग्रेस को हराना भाजपा संगठन के लिये भी बहुत मुश्किल होगा ।

वर्तमान में आगामी विधानसभा प्रत्याशी के लिये श्री नरेन्द्र पटेल, श्री नीलेश रोकडिया, श्री अशोक जैन, श्री तिलाक राठोड के साथ ही सोहन शाह ,सोभाग पटेल , इन्दर बिरला, आरती पटेल का नाम चर्चा में है लेकिन कांग्रेस को चाहिये कि पूरे विधानसभा क्षेत्र में सटिक एवं जमीनी सर्वे करवाकर जनता की मनपंसद का उम्मीदवार मेदान में उतारे जिससे कांग्रेस को जीत हांसिल हो सके । लेकिन यदि सही उम्मीदवार का चयन करने में कांग्रेस चूक गई तो क्षेत्र के लोगों के बीच कांग्रेस के पक्ष में माहोल होने पर भी ये सीट हाथ से पिसल सकती है ।

स्वामित्व, प्रकाशक एवं मुद्रक- नवरत्नमल जैन, 5 बी/3 प्रेस कॉम्पलेक्स इंदौर एवं 2/12 एनेक्स श्री कंवर कालोनी बड़वाह से प्रकाशित एवं कॉम्पेक प्रिंटर्स लि. फ्री प्रेस हाऊस 3/54 प्रेस कॉम्पलेक्स इंदौर से मुद्रित। प्रधान संपादक -नवरत्नमल जैन - फोन-(07280)224750, मो. 9407133337